



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 386]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 24, 2008/चैत्र 4, 1930

No. 386]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 24, 2008/CHAITRA 4, 1930

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मार्च, 2008

आय-कर

का.आ. 547(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 14क की उप-धारा (2) के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (पाँचवां संशोधन) नियम, 2008 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आयकर नियम, 1962 में, नियम 8ग के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“ऐसी आय के संबंध में, जो कुल आय में सम्मिलित किए जाने योग्य नहीं है व्यय की रकम अवधारण करने के लिए पद्धति।

8घ (1) जहां निर्धारण अधिकारी का, गत वर्ष के निर्धारिती के लेखाओं को ध्यान में रखते हुए ऐसी आय के संबंध में, जो ऐसी गत वर्ष के लिए अधिनियम के अधीन कुल आय का भाग नहीं बनती है, निम्नलिखित के संबंध में समाधान नहीं होता है—

(क) निर्धारिती द्वारा किए गए व्यय के दावे की परिशुद्धता; या

(ख) निर्धारिती द्वारा किया गया दावा कि कोई व्यय उपगत नहीं किया गया है,

वहां वह ऐसी आय के संबंध में व्यय की रकम का अवधारण उपनियम (2) के उपबंधों के अनुसार करेगा।

(2) उस आय के संबंध में व्यय, जो कुल आय का भाग नहीं बनती है निम्नलिखित रकमों का योग होगा, अर्थात् :-

(i) प्रत्यक्षतः आय से संबंधित व्यय की वह रकम, जो कुल आय का भाग नहीं बनती है ;

(ii) उस दशा में, जहां निर्धारिती ने गत वर्ष के दौरान ब्याज के रूप में व्यय उपगत किया है जो प्रत्यक्षतः किसी विशिष्ट आय या प्राप्ति से माना जा सकने वाला है, निम्नलिखित सूत्र के अनुसार संगणित कोई रकम अर्थात् :-

$$\frac{\text{क} \times \text{ख}}{\text{ग}}$$

जहां क = गत वर्ष के दौरान उपगत खंड (i) में सम्मिलित ब्याज की रकम से भिन्न ब्याज के रूप में व्यय की रकम;

ख = विनिधान के मूल्य का औसत, वह आय जो कुल आय का भाग नहीं बनती है या नहीं बनेगी, जैसी कि गत वर्ष के प्रथम दिन और अंतिम दिन निर्धारिती के तुलन पत्र में प्रकट होती है;

ग = कुल आस्तियों का औसत जैसी कि गत वर्ष के प्रथम दिन और अंतिम दिन निर्धारिती के तुलन पत्र में प्रकट होती है;

(iii) विनिधान, आय जो कुल आय का भाग नहीं बनती है या नहीं बनेगी के मूल्य की औसत के आधा प्रतिशत के बराबर कोई रकम, जैसी कि गत वर्ष के प्रथम दिन और अंतिम दिन निर्धारिता के तुलन पत्र में प्रकट होती है।”

3. इस नियम के प्रयोजनों के लिए ‘कुल आस्तियों’ से ऐसी कुल आस्तियाँ अभिप्रेत हैं जो तुलन पत्र में प्रकट होती हैं। जिसके अंतर्गत आस्तियों के मूल्यांकन की रकम पर वृद्धि सम्मिलित नहीं है, किन्तु आस्तियों के मूल्यांकन के कारण कमी सम्मिलित है।

[अधिसूचना सं. 45/2008/फा. सं. 134/09/2007-टीपीएल]

संबित त्रिपाठी, अवर सचिव

**टिप्पण :** मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3 उप-खंड (ii) तारीख 26 मार्च, 1962 में अधिसूचना सं. का.आ. 969(अ) द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनमें अंतिम संशोधन आय-कर (चौथा संशोधन) नियम, 2008 अधिसूचना सं. का.आ. 493(अ) तारीख 13-3-2008 द्वारा किया गया था।

**MINISTRY OF FINANCE**  
(Department of Revenue)  
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 24th March, 2008

**Income-Tax**

**S.O. 547(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 295 of the Income-tax read with sub-section (2) of Section 14A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income Tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Fifth Amendment) Rules, 2008.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Income Tax Rules, 1962, after rule 8C, the following rule shall be inserted, namely :—

**“Method for determining amount of expenditure in relation to income not includible in total income.**

8D(1) Where the Assessing Officer, having regard to the accounts of the assessee of a previous year, is not satisfied with—

- (a) the correctness of the claim of expenditure made by the assessee; or
- (b) the claim made by the assessee that no expenditure has been incurred,

in relation to income which does not form part of the total income under the Act for such previous year, he shall determine the amount of expenditure in relation to such income in accordance with the provisions of sub-rule (2).

(2) The expenditure in relation to income which does not form part of the total income shall be the aggregate of following amounts, namely :—

- (i) the amount of expenditure directly relating to income which does not form part of total income;
- (ii) in a case where the assessee has incurred expenditure by way of interest during the previous year which is not directly attributable to any particular income or receipt, an amount computed in accordance with the following formula, namely :—

$$A \times \frac{B}{C}$$

Where A = amount of expenditure by way of interest other than the amount of interest included in clause (i) incurred during the previous year;  
B = the average of value of investment, income from which does not or shall not form part of the total income, as appearing in the balance sheet of the assessee, on the first day and the last day of the previous year;  
C = the average of total assets as appearing in the balance sheet of the assessee, on the first day and the last day of the previous year;

- (iii) an amount equal to one-half per cent of the average of the value of investment, income from which does not or shall not form part of the total income, as appearing in the balance sheet of the assessee, on the first day and the last day of the previous year.”

3. For the purposes of this rule, the ‘total assets’ shall mean, total assets as appearing in the balance sheet excluding the increase on account of revaluation of assets but including the decrease on account of revaluation of assets.

[Notification No. 45/2008/F. No. 134/09/2007-TPL]

SAMBIT TRIPATHY, Under Secy.

**Note :** The principal rules were published *vide* notification number S.O. 969(E), published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 26th March, 1962 and last amended by Income-tax (Fourth Amendment) Rules, 2008 *vide* Notification No. S.O. 493(E) dated 13th March, 2008.